eISSN 2581-8996
ONLINE
THE INTERNATIONAL JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN MULTIDISCIPLINARY SCIENCES (IJARMS)
A BI-ANNUAL, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) JOURNAL
Vol. 6, Special Issue 01, April 2023

ऑनलाइन शिक्षण प्रणाली व तकनीकी प्रगतिः चुनौतियां एवं संभावनाएं

[1]डॉ0 अरविंन्द कुमार शुक्ल
[1]असिस्टेंट प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान, राजकीय महिला स्ना0 महाविद्यालय, बिंदकी फ़तेहपुर उ0प्र0

Received: 15 April 2023, Accepted: 20 April 2023, Published online: 25 April 2023

Abstract

तकनीकी प्रगति के इस युग में शिक्षा पारंपरिक तरीकों से कहीं पृथक गति से बदलाव की संवाहक बन रही है। हाल के वर्षों में, हमने ऑनलाइन शिक्षण में वृद्धि, कक्षा में मोबाइल उपकरणों का उपयोग और मिश्रित तकनीकी प्रगति की बढ़ती लोकप्रियता देखी है। इन परिवर्तनों ने जहां छात्रों के लिए सीखने के नए अवसर पैदा किए हैं वहीं नई चुनौतियाँ भी पैदा की हैं। आनलाइन शिक्षण क्रांति में सबसे आगे, शिक्षण संस्थानों ने नवाचार को शामिल किया है, जिसका लक्ष्य प्रत्येक छात्र के भीतर मौजूद असीमित क्षमता को उजागर करना है। उनका मुख्य उद्देश्य छात्रों के अच्छं भविष्य के लिए उपयोगी शिक्षण अनुभवों के निर्माण में प्रौद्योगिकी का अधिकतम लाभ उठाना है। ऑनलाइन शिक्षा के कई लाभ हैं, जैसे पोर्टेबिलिटी, पहुंच में आसानी, भौतिक बुनियादी ढांचे की न्यूनतम आवश्यकता, कम लागत और अधिक लचीलापन। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि यह दोषहीन है।

शब्द संक्षेप– ऑनलाइन शिक्षण प्रणाली, तकनीकी प्रगति, प्रौद्योगिकी के माध्यम से शिक्षा, मुद्दे, चुनौतियां एवं संभावनाएं।

Introduction

एक हालिया सर्वेक्षण में, 60 प्रतिशत छात्र जो हाल ही में ऑनलाइन–शिक्षण प्रणाली में स्थानांतरित हुए हैं, उन्होंने अनुभव को उबाऊ माना और कक्षा में ध्यान देने के लिए खुद को प्रेरित करने में संघर्ष किया। एक अन्य सर्वेक्षण में, 800 कॉलेज छात्रों में से 77 प्रतिशत ऑनलाइन तरीकों की तुलना में कक्षा में व्यक्तिगत रूप से सीखना बेहतर पसंद करते हैं। ये आँकड़े इस तथ्य की ओर इशारा करते हैं कि विभिन्न ऑनलाइन शिक्षा समस्याओं को समझने और ऑनलाइन सीखने की चुनौतियों का समाधान करने की आवश्यकता है।

शैक्षणिक संस्थान स्वीकार करते हैं कि प्रौद्योगिकी केवल एक उपकरण नहीं है, यह परिवर्तनकारी शिक्षा के लिए उत्प्रेरक के रूप में कार्य करती है। प्रौद्योगिकी के माध्यम से, पारंपरिक शिक्षण विधियों की सीमाएं समाप्त हो गई हैं, जिससे छात्रों के लिए अनंत अवसरों के द्वार खुल गए हैं। यह एक आदर्श बदलाव का प्रतिनिधित्व करता है, जो छात्रों में जिज्ञासा जगाता है, रचनात्मकता को बढ़ावा देता है और सीखने की अवधारणा को फिर से परिभाषित करता है।

शिक्षण संस्थानों ने शैक्षणिक सामग्रियों को गतिशील, इंटरैक्टिव मुठभेड़ों में परिवर्तित करते हुए, ऑनलाइन–शिक्षण प्रणाली को अपनी शैक्षिक पेशकशों में सहजता से शामिल किया है। ऑनलाइन–शिक्षण प्रणाली के माध्यम से, छात्र केवल ज्ञान को अवशोषित नहीं कर रहे हैं; वे सक्रिय

eISSN 2581-8996
ONLINE
THE INTERNATIONAL JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN MULTIDISCIPLINARY SCIENCES (IJARMS)
A BI-ANNUAL, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) JOURNAL
Vol. 6, Special Issue 01, April 2023

रूप से शामिल हैं, भाग ले रहे हैं और विषय वस्तु पर गहराई से विचार भी कर रहे हैं। आभासी वस्तुएँ मूर्त रूप लेती हैं, सीखने की प्रक्रिया को एक रोमांचक यात्रा में बदल देती हैं जो जिज्ञासा पैदा करती है और अन्वेषण के लिए उत्साह जगाती है।

प्रौद्योगिकी के समावेश ने छात्रों को शैक्षिक यात्राएं शुरू करने में सक्षम बनाया है जो उन्हें मनोरम अनुभवों में डुबो देती हैं। चाहे वह प्राचीन सभ्यताओं की खोज करना हो, समुद्र की गहराई में गोता लगाना हो, या चंद्रमा की सतह पर खड़ा होना हो, नवीन प्रौद्योगिकी सीखने का एक नया आयाम पेश करती है और गहरी समझ को पोषित करती है। प्रौद्योगिकी का निर्बाध एकीकरण कुशल व्यक्तियों के भविष्य के कार्यबल के निर्माण का द्वार है। यह आकर्षक गैजेटों से भी आगे जाता है, इंटरैक्टिव व्हाइटबोर्ड, डिजिटल पाठ्यपुस्तकें और शैक्षिक ऐप्स गहन शिक्षण को बढ़ाते हैं। प्रौद्योगिकी को अपनाने से, प्रत्येक छात्र की पूरी क्षमता को उजागर करना संभव हो जाता है।

परिकल्पना

ऑनलाइन शिक्षण प्रणाली व तकनीकी प्रगतिः चुनौतियां एवं संभावनाएं विषयक शोध पत्र की परिकल्पनाएं निम्नवत हैं–

1– ऑनलाइन शिक्षण प्रणाली भारतीय शिक्षा के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी पहल है यह तेजी से बदलते हुए समय और जरूरतों के मुताबिक है। यह भारत के नवनिर्माण एवं देश की शिक्षा व्यवस्था को सुधारने का सही तकनीकि एवं अवसर है।

2– ऑनलाइन शिक्षण प्रणाली व तकनीकी प्रगति नए भारत का आधार है, यह छात्रों को समग्रता में जोड़ने वाली पद्धति है, हम सभी एक पारस्परिक निर्भर समाज में रह रहे है तथा सभी एक दूसरे से जुड़े है। इसलिए सरकार, शिक्षण संस्थान, शिक्षक, छात्र और समाज के विभिन्न वर्गो व शैक्षिक अभिकरणों को ऑनलाइन शिक्षण प्रणाली व तकनीकी प्रगति का शिक्षण के लक्ष्यों को पाने के लिए मिल जुलकर सहभागी बनना होगा।

3– उचित अध्ययन स्थानों को अभाव, इंटरनेट की अपर्याप्त पहुँच, इंटरनेट की धीमी गति, किसी मानक नीति का न होना, सामाजिक सामंजस्य का अभाव एवं शिक्षक प्रशिक्षण डिजिटल शिक्षा की चुनौतियाँ को समझकर समाधान भी खोजना होगा।

4– ऑनलाइन शिक्षण प्रणाली व तकनीकी मे ऑनलाइन एजुकेशन पर जोर, नए सुधारों में टेक्नोलॉजी और ऑनलाइन एजुकेशन पर जोर दिया गया है। कंप्यूटर, लैपटॉप और फोन इत्यादि के जरिए विभिन्न ऐप का इस्तेमाल करके शिक्षण को रोचक बनाया जा सकता है।

7– ऑनलाइन शिक्षण प्रणाली व तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में सुधार का एक महत्वपूर्ण आधार स्तम्भ एवं रोडमैप है।

अध्ययन पद्धति

प्रस्तुत शोध पत्र में अनुसूची विधि और निरीक्षण प्रविधि का प्रयोग किया गया है। इसके अतिरिक्त अध्ययन संबंधी द्वितीय तथ्यों को विभिन्न शोध प्रबंधों, गजेटियर, शोध पत्रिकाओं एवं समाचार पत्रों

eISSN 2581-8996
ONLINE
THE INTERNATIONAL JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN MULTIDISCIPLINARY SCIENCES (IJARMS)
A BI-ANNUAL, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) JOURNAL
Vol. 6, Special Issue 01, April 2023

से डेटा एकत्रित्र व प्राप्त करने का प्रयत्न किया गया है। यह शोध–पत्र पुस्कालय अध्ययन पद्धति पर आधारित है।

हालाँकि ऑनलाइन शिक्षण के लिए बड़ी इमारतों, बड़ी कक्षाओं, कुर्सियों, मेजों, ब्लैकबोर्ड या चॉक की आवश्यकता नहीं होती है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि कोई बुनियादी ढाँचागत आवश्यकताएँ नहीं हैं। एक कंप्यूटर, पर्याप्त सॉफ्टवेयर, निरंतर बिजली और हाई–बैंडविड्थ इंटरनेट की आवश्यकता काफी बड़ी मांग है। अधिकांश विकसित देशों में, यह बुनियादी ढाँचा सार्वजनिक पुस्तकालयों के माध्यम से जनता के लिए उपलब्ध है यदि वे व्यक्तिगत रूप से इसे वहन नहीं कर सकते हैं। लेकिन भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश और कई अन्य विकासशील देशों के लिए, बुनियादी ढांचे की यह गुणवत्ता केवल कुछ चुनिंदा प्रतिशत आबादी के लिए ही उपलब्ध है, जिससे उनकी ऑनलाइन शिक्षा की समस्याएं और भी बढ़ गई हैं। शिक्षा के भविष्य को अपनाना कुछ चुनौतियाँ प्रस्तुत करता है, लेकिन शैक्षणिक संस्थान इन बाधाओं का सीधे सामना करने के लिए दृढ़ हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि प्रत्येक छात्र डिजिटल युग के लाभों का उपयोग कर सकता है। वे अत्याधुनिक समाधान पेश करने और व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम देने, प्रौद्योगिकी तक समान पहुंच सुनिश्चित करने और दृढ़ समर्थन प्रदान करने के लिए समर्पित हैं।

यह सोचा गया था कि नई पीढ़ी के छात्रों को पढ़ाने के लिए ऑनलाइन शिक्षण नई इंटरैक्टिव और गहन पद्धति होगी। हालाँकि, नतीजे इसके विपरीत कहते हैं। पाठों, क्विज़, बार–बार सीखने वाले असाइनमेंट और एमसीक्यू के अंतहीन महासागरों के कारण छात्रों को लर्निंग पोर्टल पर दोबारा जाने की प्रेरणा खोने लगी है। ऑनलाइन कक्षाओं में छात्रों और शिक्षक के बीच पारस्परिक संपर्क की कमी के कारण छात्र प्रेरणा की कमी की शिकायत करते हैं। जुड़ाव बनाए रखने के लिए छात्रों के बीच शारीरिक संपर्क की आवश्यकता भी एक आवश्यकता है जिसका ऑनलाइन शिक्षण पद्धति के पास अभी तक कोई उत्तर नहीं है। संस्थानों को छात्रों को इंटरैक्टिव पाठ देने की आवश्यकता है।

ऑनलाइन शिक्षण प्रणाली व तकनीकी प्रगति की चुनौतियां एवं संभावनाएं के मध्य उपरोक्त सुद्याव कहीं न कहीं इस दीर्घकालिक लक्ष्य की पूर्ति में सहायक हो सकते हैं–

1– ऑनलाइन शिक्षण प्रणाली में सक्रिय रूप से भाग लेने वाले छात्रों के लिए पुरस्कार आदि से अर्थात उन्हें प्रमाणपत्र या पाठ्यक्रम शुल्क पर छूट जैसे अन्य पुरस्कार प्रदान करके सुरुचिपूर्ण बनाया जा सकता है।

2– छात्रों को व्यस्त रखने के लिए लंबे व्याख्यानों और सत्रों को प्रश्नोत्तरी और मतदान जैसी इंटरैक्टिव गतिविधियों के साथ विभाजित करें।

3– छात्रों को एक–दूसरे के साथ बातचीत करने और जुड़ने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए ऑनलाइन शिक्षण मंच में चर्चा बोर्ड और मंच शामिल करें।

4– सहयोग को बढ़ावा देने के लिए छात्रों को छोटे समूहों या टीमों में काम करने की अनुमति दें।

5– पाठों को अधिक आकर्षक बनाने के लिए दृश्यों का उपयोग करें। छात्रों को प्रेरित रखने के लिए वीडियो, एनिमेशन और अन्य दृश्य शामिल करें।

eISSN 2581-8996
ONLINE
THE INTERNATIONAL JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN MULTIDISCIPLINARY SCIENCES (IJARMS)
A BI-ANNUAL, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) JOURNAL
Vol. 6, Special Issue 01, April 2023

6– छात्रों को व्यक्तिगत शिक्षण अनुभव प्रदान करें। उन्हें उन विषयों को चुनने की आज़ादी दें जिनमें उनकी रुचि है और वे संसाधन जिनका वे उपयोग करना चाहते हैं।

7– शिक्षक–छात्र संवाद के लिए अधिक अवसर प्रदान करें। प्रत्येक छात्र के साथ उनकी प्रगति पर चर्चा करने और उनके किसी भी प्रश्न या चिंता का समाधान करने के लिए एक–पर–एक सत्र रखें।

निष्कर्ष – जहां समस्या है, वहां हमेशा समाधान होता है। ऑनलाइन शिक्षण क्षेत्र में वर्तमान में कई कमियाँ हैं जो उपरोक्त सूची तक सीमित नहीं हैं। जैसा कि कहा गया है, यह ऑनलाइन शिक्षण अपेक्षाकृत नया है और फिर भी इसमें काफी हद तक सुधार हुआ है। प्रणाली तेजी से बदल रही है और विकसित हो रही है और जल्द ही शिक्षा उद्योग में आदर्श बन जाएगी।

ऑनलाइन शिक्षा से अनेक लाभ हैं और यह शिक्षा को सस्ता और उसकी पहुंच को अधिक व्यापक बना रही है। निश्चित पाठ्यक्रम और कठोर विषय चयन के दिन गए, क्योंकि छात्रों की नई पीढ़ी अपनी शिक्षा व्यवस्था में नई तकनीकि व अधिक स्वतंत्रता की मांग करती है, क्योंकि तकनीकी कठिनाइयाँ अक्सर समय के साथ दूर हो जाती हैं।

संदर्भ सूची– **संदर्भ :–**

1. (2020) – नई शिक्षा नीति : प्रमुख प्वाइन्ट्स : एक नजर में, 30 जुलाई।
2- https://www.indiatoday.in/
3- www.Jagran.com
4- www.amarujala.com
5- योजना, अप्रैल 2023
6- The times of india new delhi 02 April 2023
7- **वर्तमान की गौण शिक्षा प्रणाली एवं कोचिंग सेंटरों का प्रभाव** Sahityapedia https://sahityapedia.com